दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 16 जुलाई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 286

देश में लगातार तीसरे दिन बढ़े नए मामलों ने बढ़ाई चिंता, 24 घंटे में 41,806 नए मरीज मिले, 508 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में आज लगातार तीसरे दिन कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। बीते 24 घंटे में 41,806 नए मरीज मिले हैं और 581 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई। वहीं 39,130 मरीज कोरोना संक्रमण को मात देकर अपने घरों को लौट गए। सात दिन बाद नए मरीजों की संख्या ठीक होने वालों से ज्यादा रही है। इससे पहले 7 जुलाई को 45,701 मरीजों की पहचान हुई थी और 44,529 ठीक हुए थे।

भारत में 41,806 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद महामारी के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3,09,87,880 पर पहुंच गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,32,041 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के गुरुवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले

24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,095 मामलों की वृद्धि हुई है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों की 1.39 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.28 प्रतिशत है।

टीकाकरणः 39.13 करोड़ वैक्सीन दी गईं

देश में तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए लोगों का तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। बुधवार को 34,97,058 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इसके साथ ही देश मे अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की कुल 39,13,40,491 खुराक दी जा चुकी है।

4.32 लाख से अधिक सक्रीय मामले

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,095 मामलों की वृद्धि होकर 4,11,989 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों की 1.39 फीसदी है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.28 फीसदी है।

43 करोड़ से ज्यादा कोरोना जांच

मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को कोविड-19 के लिए 19,43,488 नमूनों की जांच की गई, जिससे अभी तक देश में इस महामारी का पता लगाने के लिए किए गए नमूनों की जांच की संख्या 43,80,11,985 हो गई है, जबकि दैनिक संक्रमण दर 2.15 प्रतिशत दर्ज की गई। यह लगातार 24 दिनों से तीन प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 2.21 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,01,43,850 हो गई है, जबकि मृत्यु दर बढ़कर 1.39 प्रतिशत हो गई है। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 39.13 करोड़ खुराक लगाई गई हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्तूबर को 70 लाख, 29 अक्तूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख के पार हो गए। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों को लिखा पत्र

देश में कोरोना महमारी की दूसरी लहर एक बार फिर रफ्तार पकड़ती नजर आ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिख कर कहा है कि कोरोना नियमों का पालन करवाने पर जोर देने की आवश्यकता है और रणनीति बनाकर छूट देने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि अगर लोग फिर भी आते हैं तो हम बहुत कठोर कदम उठाएंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

श्रीधरन पिल्लई ने ली गोवा के राज्यपाल के रूप में शपथ

पणजी (आरएनएस)। मिजोरम के पूर्व राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई ने आज गोवा के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल में भारतीय जनता पार्टी इकाई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पिल्लई को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने पद की शपथ दिलाई। गोवा लगभग एक साल से पूर्ण राज्यपाल के बिना था, महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अगस्त 2020 से राज्य का प्रभार संभाल रहे थे।

इसरो ने गगनयान रॉकेट के लिए तरल ईंधन इंजन का किया सफल परीक्षण

चेन्नई (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की खोज में तरल ईंधन संचालित विकास इंजन के तीसरे लंबी अवधि के गर्म परीक्षण का सफलतापूर्वक संचालन करके आगे बढ़ गया है। इसरो के अनुसार, मानव रेटेड जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एमके थ्री (जीएसएलवी एमके थ्री) के कोर एल 110 तरल चरण (इंजन) के लिए तरल प्रणोदक विकास इंजन का तीसरा लंबी अवधि का गर्म परीक्षण सफल रहा। परीक्षण गगनयान कार्यक्रम के लिए इंजन योग्यता आवश्यकताओं का हिस्सा है। तमिलनाडु में महेंद्रगिरि के इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) की इंजन परीक्षण सुविधा में इंजन को 240 सेकंड की अवधि के लिए निकाल दिया गया था। इंजन के प्रदर्शन ने परीक्षण के उद्देश्यों को पूरा किया। इसरो ने तीसरे रॉकेट में भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले दो मानव रेटेड मानवरहित जीएसएलवी-एमके ककक रॉकेट उड़ाने की योजना बनाई है।

मानसून सत्र में कोरोना-महंगाई पर होगी तीखी जंग

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच मुख्य रूप से कोरोना की दूसरी लहर और पेट्रोलियम पदार्थों की महंगाई पर तीखी सियासी मुठभेड़ होगी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को देर रात तक चली मंत्रिपरिषद की बैठक में इन मुद्दों पर बचाव की जगह विपक्ष पर पलटवार करने की रणनीति बनी। प्रधानमंत्री ने खासतौर से स्वास्थ्य, पेट्रोलियम और वित्त मंत्री को विपक्षी हमले का जवाब देने केलिए पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया। दरअसल विपक्ष ने सत्र के दौरान कोरोना की दूसरी लहर के कारण हुए जानमाल के नुकसान और पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। जबकि सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान विपक्षशासित राज्यों में बरती गई लापरवाही, टीके के संदर्भ में फैलाए गए भ्रम, पीएम केयर्स फंड से मिले वैंटिलेटर का उपयोग न होने जैसे मामले को उठा कर विपक्ष पर हमला बोलने की रणनीति बनाई है। इसी प्रकार पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों के मामले में भी सरकार ने राज्यों द्वारा वसूले जा रहे भारी कर को जवाबी हथियार बनाने की योजना तैयार है। इस दौरान पेट्रोलियम मंत्री बताएंगे कि राज्यों को इस बढ़ोत्तरी के दौरान कितना राजस्व हासिल हुआ और कौन से ऐसे राज्य हैं जो पेट्रोल-डीजल पर अपने करों का अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं।

केंद्र ने आदिवासियों के बीच किया कोरोना वैक्सीनेशन अभियान तेज

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र ने आदिवासी लोगों के बीच कोविड-19 टीकाकरण तेज करने के लिए बृहस्पतिवार को एक अभियान शुरू किया जिसके तहत पारंपरिक नेता और स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों को शामिल करके टीकों के बारे में मिथकों, गलतफहमियों और डर को खत्म करने पर है। आदिवासी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाला ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलेपमेंट फेडरेशन (टीआरआईएफईडी) इस अभियान को लागू कर रहा है जो छत्तीसगढ़ में बस्तर और मध्य प्रदेश में मांडला से बुधवार को शुरू हुआ। वह संयुक्त राष्ट्र बाल आपात कोष (यूनीसेफ) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर इस अभियान को लागू करेगा।

अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान का उद्देश्य करीब 50 लाख आदिवासियों और वन वासियों के बीच टीकाकरण को लेकर जागरूकता पैदा करना है। इस अभियान के तहत 309 जिलों में 50,000 से अधिक गांव आएंगे। आदिवासी मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि यह अभियान अनुसूचित जनजातियों के साथ मजबूत संबंध बनाने का मौका देता है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण के संबंध में कई मिथक और भ्रम हैं। यह अभियान इन बाधाओं को हटाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

मेघालय में पुलिस रिजर्व में आईईडी विस्फोट, जवान घायल

शिलांग (आरएनएस)। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के खलीहरियात पुलिस रिजर्व में एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट होने से एक हवलदार घायल हो गया और इमारत का एक हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन हनीट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) ने आईईडी विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। विस्फोट के बाद बम निरोधक दस्ते की एक टीम खलीहरियात पुलिस रिजर्व पहुंची और घटनास्थल से मलबा एकत्र

किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार , आईईडी विस्फोटक चीन में निर्मित 27 मेगाहर्ट्ज में बनी रिमोट कंट्रोल टॉय कार में फिट किया गया था।

राज्य के गृह मंत्री लखमेन रिंबुई ने कहा कि पुलिस पहले से ही जांच कर रही है और विस्फोट के पीछे अपराधियों की तलाश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस घटनास्थल से सबूत जुटा रही है।

खलीहरियात में आईईडी विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए, एचएनएलसी के महासचिव सैनकुपर नोंगट्रॉ ने कहा, एक पुलिस संस्थान के खिलाफ संगठन द्वारा किए गए हमले नए नहीं हैं। हमने पुलिस से बदला लेने के लिए इस तरह के हमले शुरू किए हैं जो हमारे सदस्यों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। श्री नोंगट्रॉ ने याद दिलाते हुए कहा कि बाह तिविओंग को जिंदा जलाने से पहले पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

बंगाल सरकार ने लॉकडाउन 30 जुलाई तक बढ़ाया

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोविड की तीसरी लहर के आसन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए कुछ ढील के साथ कोई जोखिम नहीं लेने और 30 जुलाई तक कोविड-प्रेरित प्रतिबंधों को जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि राज्य ने ट्रेनों के संचालन की अनुमति नहीं दी है, लेकिन इसने कुछ और क्षेत्रों को खोल दिया है, जिससे लोगों को आराम मिला है और व्यापार के अधिक अवसर प्रदान किए गए हैं।

एक आदेश में, राज्य सरकार ने कहा, सभी दुकानें और बाजार (आवश्यक और गैर-आवश्यक वस्तुएं) सामान्य परिचालन घंटों के अनुसार खुले रह सकते हैं। शॉपिंग मॉल और मार्केट कॉम्प्लेक्स में खुदरा दुकानें सामान्य

परिचालन समय के अनुसार प्रति घंटे 50 प्रतिशत कार्यबल के हिसाब से खुली रह सकती हैं। एक बार में 50 प्रतिशत तक लोगों/ग्राहकों का प्रतिबंधित प्रवेश रहेगा।

हालांकि, कहा कहा गया है कि रात के कर्फ्यू का समय- रात 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। इस प्रकार यह स्पष्ट करते हुए कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान रात्रि 9 बजे तक बंद रहेंगे।

जिन बैंकों को अब तक दोपहर 2 बजे तक काम करने की अनुमति थी, उन्हें और एक घंटा काम करने की अनुमति दी गई है। बैंक और वित्तीय संस्थान सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच प्रतिबंधित घंटों के लिए खुले रहेंगे।

राज्य सरकार ने यह भी कहा कि सुबह 6 बजे से रात 9 बजे के दौरान सुबह की सैर, शारीरिक व्यायाम आदि के लिए पार्क खुले रह सकते हैं। लेकिन केवल टीकाकरण वाले लोगों को ही अनुमति दी जाएगी। जिम को सुबह 6 बजे से सुबह 10 बजे और शाम 4 बजे तक खुले रहने की अनुमति होगी। रात 8 बजे तक प्रत्येक सत्र में 50 प्रतिशत क्षमता के साथ, बशर्ते कर्मचारियों/कर्मचारियों और ग्राहकों को टीका लगाया गया हो।

सैलून और ब्यूटी पार्लर एक समय में 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता के साथ सामान्य परिचालन घंटों के अनुसार खुले रह सकते हैं, बशर्ते कर्मचारियों/कर्मचारियों और ग्राहकों को टीका लगाया गया हो।

राज्य सरकार ने आदेश दिया कि सभी सिनेमा हॉल, स्पा और स्विमिंग पूल बंद रहेंगे, लेकिन आखिरी को विशेष रूप से राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तैराकों के नियमित अभ्यास के लिए सुबह 6 बजे से सुबह 10 बजे तक खोला जा सकता है।

मेट्रो रेल सेवा सप्ताह में 5 दिन 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता के साथ संचालित होगी और शनिवार और रविवार को निलंबित रहेगी।

यूपी में सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से नहीं, विकासवाद से चल रही है : पीएम

वाराणसी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से नहीं विकासवाद से चल रही है। इस वजह से आज यूपी में जनता की योजनाओं का लाभ सीधा जनता को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बीएचयू के मैदान से बटन दबाकर करीब 1500 करोड़ की 280 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री की आज की सौगातों में रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन भी शामिल है। इस दौरान उन्होंने यूपी सरकार की जमकर तारीफ की है। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यूपी के लिए पहले भी योजनाएं तैयार होती थीं, लेकिन 2017 से पहले लखनऊ से रोड़ा लग जाता था। मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद हर काम को संभालते हैं। वह हर काम पर बारीकी से नजर रखते हैं और काशी से लेकर पूरे प्रदेश में हो रहे कामों की निजी तौर पर निगरानी करते हैं। यूपी में सरकार भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से नहीं विकासवाद से चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्च र में आज कुछ और कड़ियां जुड़ रही हैं।

पीएम ने वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय(बीएचयू) में 100 बेड की एमसीएच विंग, गोदौलिया में मल्टीलेवल पार्किंग, गंगा नदी में पर्यटन विकास के लिए रो-रो जहाज और वाराणसी गाजीपुर राजमार्ग पर थ्री लेन फ्लाईओवर ब्रिज सहित विभिन्न सार्वजनिक परियोजनाओं और कार्यों का उद्घाटन किया। करीब 744 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का।

उन्होंने लगभग839 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं और लोक निर्माणों का शिलान्यास भी किया। इनमें सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपेट) के सेंटर फॉर स्किल एंड टेक्निकल सपोर्ट, जल जीवन मिशन के तहत 143 ग्रामीण परियोजनाएं और करखियांव में आम और सब्जी इंटीग्रेटेड पैक हाउस शामिल हैं।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ महीनों में उन कठिन दिनों को याद किया जब म्यूटेटेड कोरोनावायरस ने पूरी ताकत से हमला किया।प्रधानमंत्री ने इस चुनौती से निपटने में उत्तर प्रदेश और काशी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने महामारी से

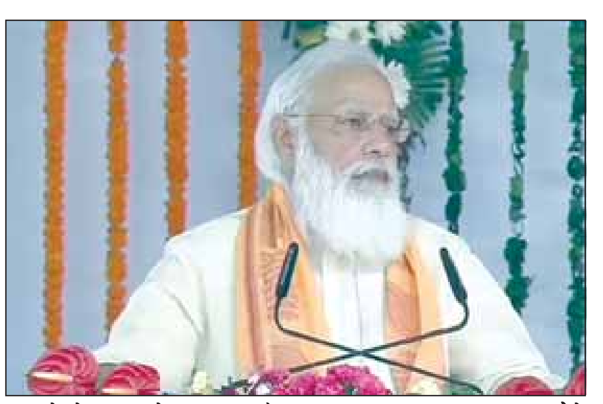

निपटने में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की।उन्होंने काशी की अपनी टीम, प्रशासन तथा कोरोना योद्धाओं की टीम की प्रशंसा की जिन्होंने प्रबंधन करने में दिन-रात एक कर दिए। उन्होंने कहा कठिन दिनों में भी काशी ने यह दिखाया है कि वह कभी ठहरती नहीं , कभी थकती नहीं। उन्होंने दूसरी लहर से अभूतपूर्व तरीके से निपटने की तुलना पहले के उदाहरणों से की जब जापानी इंसेफेलाइटिस तरह की बीमारियां कहर बरपा करती थीं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं और राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में छोटी चुनौतियां भी बड़ा स्वरूप ले लेती थीं।उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक संख्या में जांच और टीकाकरण हुआ है।

मोदी ने उत्तर प्रदेश में चिकित्सा बुनियादी ढांचे में तेजी से हो रहे सुधारों को गिनाया। पिछले चार साल में मेडिकल कॉलेजों की संख्या चार गुना बढ़ी है। कई मेडिकल कॉलेज पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं। मोदी ने राज्य में स्थापित किए जा रहे लगभग 550 ऑक्सीजन संयंत्रों की चर्चा की जिनमें से 14 का उद्घाटन आज किया गया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा बाल चिकित्सा आइसीयू और ऑक्सीजन सुविधाओं में सुधार के प्रयासों की भी प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि हाल ही में घोषित 23000 करोड़ रुपये के पैकेज से उत्तर प्रदेश को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि काशी नगरी पूर्वांचल का बड़ा मेडिकल हब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ बीमारियों का इलाज, जिसके लिए किसी को दिल्ली और मुंबई जाना पड़ता था , अब काशी में उपलब्ध है । उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया उनसे शहर के चिकित्सा बुनियादी ढांचे में और मजबूती आएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कई परियोजनाएं प्राचीन शहर काशी के मूल तत्व को सुरक्षित रखते हुए विकास के पथ पर अग्रसर हो रही हैं । उन्होंने कहा कि राजमार्ग, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, भूमिगत वायरिंग, सीवर और पेयजल की समस्याओं का समाधान, पर्यटन को बढ़ावा देने जैसी परियोजनाओं को सरकार की ओर से अभूतपूर्व तरीके से आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया वर्तमान में भी 8000 करोड़ की योजनाओं पर काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता और गंगा तथा काशी की सुंदरता ही आकांक्षा और प्राथमिकता है। इसके लिए हर मोर्चे पर सड़क, सीवेज ट्रीटमेंट, पार्कों और घाटों के सौंदर्यीकरण जैसे काम किए जा रहे हैं। पंचकोसी मार्ग को चौड़ा किए जाने , वाराणसी गाजीपुर पर पुल बनने से कई गांवों और आसपास के शहरों को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे शहर में बड़े एलईडी स्क्रीन लगाए गए हैं और घाटों पर नवीनतम प्रौद्योगिकी सूचना बोर्ड काशी आने वाले आगंतुकों के लिए काफी सहायक साबित होंगे।